केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 57 सोमवार 15 सितम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

चोरी, ड्रोन की बढती घटनाओं को लेकर डीआईजी से मिले भाजपा नेता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं और ड्रोन से जुड़ी अफवाहों को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधि मंडल डीआईजी से मिला। प्रतिनिधि मंडल ने चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्यवाही कर जनता में व्याप्त भय का माहौल दूर करने की मांग की।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि ड्रोन को लेकर फैली अफवाह और लगातार हो रही चोरी की घटनाएं पूरे जिले में चर्चा का विषय बन चुकी हैं। चोरी दिन और रात दोनों समय हो रही हैं, जिससे गश्त और तेज करने की आवश्यकता है। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित कर तत्काल कार्रवाई करने का अभियान चलाया जाना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि जनता में डर का माहौल बना हुआ है, जिसे दूर करने के लिए रात्रि गश्त को प्रभावी बनाया जाना चाहिए ताकि आम लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया जा सके।

इस दौरान प्रतिनिधि मंडल में गिल्लम चौधरी, राकेश श्रीवास्तव, चंद्र शेखर मुन्ना, भानु प्रकाश मिश्र, अखंड प्रताप सिंह, अभिषेक कुमार गौतम और विद्यामानी सिंह उपस्थित रहे।

फिजियोथैरेपिस्ट एसोसिएशन की बैठक में मुद्दों पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्वांचल फिजियोथैरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक किसान पीजी कॉलेज के निकट स्थित कैंप कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन के सचिव एवं प्रदेश प्रभारी डा. अमित शर्मा ने कहा कि संगठन पिछले 20 वर्षों से लगातार संघर्षरत है , संघर्ष की बदौलत अनेक सफलता भी हासिल हुई है। बताया कि 2006 के पहले तक बीपी का रजिस्ट्रेशन नहीं होता था, लेकिन संगठन के संघर्ष की बदौलत रजिस्ट्रेशन शुरू हुआ। अभी भी सरकार बीपी को एलाइड हेल्थ केयर प्रोफेशनल मानती है जबकि बीपी 5 वर्ष का एक संपूर्ण डॉक्टर का कोर्स है। कहा कि संगठन की सरकार से मांग है कि फिजियोथैरेपी की एक अलग काउंसिल बनाकर उन्हें प्रोफेशनल डॉक्टर की सारी सुविधा प्रदान करें। बताया कि अभी जल्द ही आईएमए के भारी विरोध के बाद सरकार ने फिजियोथैरेपिस्ट को नाम के आगे डाक्टर लिखने की अनुमति प्रदान की है। अब संगठन इस बात पर जोर दे रहा है कि फिजियोथैरेपी को जनरल प्रैक्टिस करने की अनुमति प्रदान की जाए। इसे लेकर संगठन पूरे प्रदेश में लगातार कैंप सेमिनार मैराथन बैठक कर रहा ,है जिससे लोगों में जागरूकता आये और लोग इस चिकित्सा शैली का लाभ उठा सके।

इस दौरान डा. पंकज चौधरी, डा. राजेश चौहान, डा. एम रहमान को मंडल का कोआर्डिनेटर, डा. अजय श्रीवास्तव को संगठन का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। बैठक में डा. नेहा पाण्डेय, डा. श्रेया पाण्डेय, डा. नीलम, डॉक्टर पंकज चौधरी डा. राजेश चौहान, डा. एम रहमान, डा. अजय श्रीवास्तव, डा. अतुल श्रीवास्तव, डा. विवेक प्रकाश पाण्डेय, डा. श्रवण कुमार, डा. शुभम गौड़, डा. मनीष चौधरी, डा. प्रमोद यादव, डा. राजवंत सिंह, डा. कन्हैया श्रीवास्तव, डा. अनूप शुक्ल सहित बड़ी संख्या में फिजियोथैरेपिस्ट और डाक्टर उपस्थित रहे

जंग और मैंच एक साथ, भारत–पाक के बीच क्रिकेट का समूचे देश में विरोध

नई दिल्ली (आभा)। एशिया कप 2025 में दुबई में भारत–पाकिस्तान के बीच मैच होना है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच पहला इंटरनेशनल मैच है। हालांकि देशभर के क्रिकेट

प्रशंसक बंटे हुए हैं। कहीं विरोध हो रहा है, तो कहीं टीम इंडिया की जीत के लिए हवन पूजा की जा रही है। शिवसेना उद्धव गुट ने केरल में पाकिस्तान का झंडा जलाया, मुंबई में कार्यकर्ताओं ने टीवी तोड़कर प्रदर्शन किया। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले और 7 मई को हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद ये पहला मौका है, जब दोनों देशों की क्रिकेट टीमें आमने–सामने होंगी।

महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट के कार्यकर्ताओं ने टीवी तोड़कर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, महिला कार्यकर्ताओं ने पीएम को सिंदूर भेजा, साथ ही ठब्ब् के लिए चंदा मांगा।

पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिजन ने भी भारत–पाक मैच के खिलाफ बयान दिया। कइयों ने कहा–जिनके हाथ खून से सने हैं, हमारा उन्हीं से मैच हो रहा है।

हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सरकार से सवाल किया कि क्या मैच से कमाया गया पैसा पहलगाम हमले में मारे गए 26 नागरिकों की जान से ज्यादा कीमती है। सांसद असदुद्दीन ओवैसी– असम और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और सभी से मेरा सवाल है कि क्या आपके पास पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से इनकार करने का अधिकार नहीं है।

दुबई में भारत-पाकिस्तान के बीच मैच से आक्रोशः शिवसेना ने फूंका पाक का पुतला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एशिया कप 2025 का दुबई में भारत–पाकिस्तान के बीच मैच का बस्ती में मुखर विरोध हुआ। शिवसेना उद्धव गुट के अध्यक्ष ई. रूपेन्द्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में शिव सैनिक महसो चौराहे पर एकत्र हुये और बीसीसीआई के विरोध में नारा लगाते हुये पाकिस्तान का पुतला फूंका।

पाकिस्तान का पुतला फूंकने के बाद शिव सेना के प्रदेश सचिव संजय प्रधान, जिला प्रभारी राधेश्याम शुक्ल ने कहा कि यह क्रिकेट मैंच पहलगाम में आतंकवादियों की क्रूरता का शिकार हुये लोगों का अपमान है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि पाकिस्तान को बूंद बूद पानी को तरसा देंगे, आपरेशन सिन्दूर अभी जारी है, उनके वायदों का क्या हुआ। पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच करवाने की आखिर क्या जरूरत है। सारा देश कह रहा है कि यह मैच नहीं होना चाहिए। क्या यह भी ट्रंप के दबाव में किया जा रहा है। आखिर प्रधानमंत्री ट्रंप के आगे कितना झुकेंगे। शहीदों के लहू से बड़ा क्रिकेट का जुनून कब से हो गया। जब हमारी बहनों की मांग का सिंदूर मिटा है तो पाकिस्तान से मैच करवाने की आखिर क्या जरूरत है। कहा कि शिव सैनिक इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। भारत–पाक क्रिकेट मैंच के विरोध में पाकिस्तान का पुतला फूंकने वालों में मुख्य रूप से सुभाष, प्रिन्स सिंहनिया, राज श्रीवास्तव, सचिन, हृदयराम, प्रतीक मिश्र आदि शामिल रहे।

पेड़ वाले बाबा पंजाब भेजेंगे मच्छरदानी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पंजाब में आयी भीषण विनाशकारी बाढ से तबाही को देखते हुये देश भर से लोग सहयोग को आगे आये हैं। पेड़ वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता गौहर अली पंजाब के मुख्यमंत्री के पते पर 50 मच्छरदानी भेजेंगे जिससे वह पात्रों तक पहुंचे। कहा कि संकट के समय यदि देश के लोग छोटी–छोटी पहल करें तो हर विपरीत स्थिति का सामना किया जा सकता है। आज उस पंजाब को मदद की जरूरत है जिसने देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाया। बताया कि सीमा सुरक्षा बल में उन्होने वायरलेस आपरेटर का प्रशिक्षण जालंधर कैन्ट में प्राप्त किया। पारिवारिक कारणों से नौकरी छोड़ देनी पड़ी। उनका पंजाब से लगाव अभी तक बना हुआ है।

पेड़ वाले बाबा ने बताया कि मच्छरदानी भेजने में अशोक कुमार सिंह, ग्राम प्रधान रोशन अली, पं. सुनील कुमार भट्ट आदि ने सहयोग किया।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 350 मरीजों का उपचार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को चेस्ट फिजिशियन डा. राजन शुक्ला द्वारा सूर्यबक्श पाल महाविद्यालय बनकटी के निकट निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कुल 350 लोगों ने अपना पंजीकरण कराया। उनका इलाज करने के साथ ही समुचित परामर्श दिया गया।

उर्मिला एजूकेशन एकेडमी के प्रबन्धक निदेशक विनय शुक्ला ने बताया कि क्षेत्र के नागरिकों को सही चिकित्सकीय परामर्श मिल सके इस उद्देश्य से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। लोगों के चेस्ट, अस्थमा, दमा, काला दम, एलर्जी, टी.बी. के साथ ही सुगर की भी जांच कराया गया।

डा. राजन शुक्ल ने बताया कि निःशुल्क चिकित्सा शिविर ऐसे मरीजों के लिये उपयोगी हैं जो आर्थिक संकट के कारण चिकित्सकों के पास जाने से घबराते हैं। गरीब, विपन्न मरीजों के लिये यह शिविर वरदान है। बताया कि प्रयास होगा कि यह सिलसिला जारी रहे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर के संचालन में मुख्य रूप से स्वास्थ्य कर्मी प्रिन्स कुमार, नीलम विश्वकर्मा, अमित त्रिपाठी, सत्य प्रकाश, अमन, अंकित के साथ ही क्षेत्रीय नागरिकों ने योगदान दिया।

हिन्दी की विकास यात्रा पर विमर्शः सम्मानित हुईं विभूतियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती पूर्वांचल साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास संस्थान, अध्यक्ष महेन्द्र तिवारी द्वारा रविवार को मीडिया सेंटर में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि हिंदी भाषा हमारी संस्कृति और पहचान की धरोहर है। हिंदी ने हमेशा समाज को जोड़ने और जनमानस को एकता के सूत्र में बाँधने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आज अंग्रेजी के प्रभाव के बावजूद हिंदी अपनी मजबूत स्थिति बनाए हुए है और हमें गर्व होना चाहिए कि हिंदी विश्व की प्रमुख भाषाओं में शामिल है।

आयोजन के दौरान कवि एवं वरिष्ठ पत्रकार विनोद कुमार उपाध्याय, राष्ट्रीय कवि रामकृष्ण लाल जगमग, कवि अजीत श्रीवास्तव और पत्रकार राघवेन्द्र मिश्रा को साहित्य भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अशोक श्रीवास्तव, संजय विश्वकर्मा, अमित कुमार सिंह, दिनेश सिंह, संदीप गोयल, अनुराग कुमार श्रीवास्तव, दिलीप कुमार सिंह, राघवेन्द्र सिंह, इमरान अली, दिलीप पाण्डेय, सुनील मिश्र, वशिष्ठ पाण्डेय,

राकेश चंद्र श्रीवास्तव 'बिन्नू', आलोक श्रीवास्तव, राजेंद्र उपाध्याय, दिनेश कुमार पाण्डेय, संतोष तिवारी, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, विश्राम प्रसाद, राधेश्याम दूबे, राकेश गिरी, कमलेश सिंह, सुदृष्टि नारायण तिवारी, पंकज पांडेय, लवकुश यादव, संतोष श्रीवास्तव, शहंशाह आलम, चंद्र प्रकाश शर्मा, विवेक मिश्रा, वीर कुमार तिवारी, अनिल कुमार पांडेय, अमर सोनी, लवकुश सिंह, अब्दुल नईम, पारसनाथ मौर्या, प्रमुख प्रतिनिधि दुष्यंत विक्रम सिंह, अफजल हुसेन अफजल सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार, पत्रकार व साहित्यप्रेमी मौजूद रहे।

आर्य समाज में आयोजित हुई विचार गोष्ठी

इसी क्रम में हिन्दी दिवस के अवसर आर्य समाज नई बाजार बस्ती में वैदिक यज्ञ के साथ विचार गोष्ठी संपन्न हुई जिसमें उपस्थित बच्चों ने गीत, कविता, कहानी प्रस्तुत किया और शिक्षकों ने इसके महत्व पर प्रकाश डाला। ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने कहा कि हिन्दी भाषा से ही हमारी पहचान है अब पूरी दुनिया इसे सम्मान दे रही है। बताया कि स्वामी दयानन्द ने हिन्दी के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य किया है। स्वामी दयानन्द ने हमारे मुख्य धार्मिक ग्रंथ वेदों को संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद करने का इतिहास मे पहला बडा प्रयास किया था। इससे वेद जन सामान्य के लिए सर्व सुलभ ही नहीं हुए अपितु वेदों के नाम पर धर्म विरोधियों अज्ञानीयो द्वारा लगाए जा रहे आक्षेपो का उत्तर देने का सामर्थ्य भी भारतीयो में पैदा किया। स्वामी दयानन्द जी वह दिन देखना चाहते हैं जब कश्मीर से कन्याकुमारी और अटक से कटक तक देवनागरी अक्षरों का प्रचार होगा। यज्ञाचार्य नवल किशोर चौधरी कोषाध्यक्ष भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हरिद्वार यूनिट बस्ती ने बताया कि महर्षि दयानंद ही सर्वप्रथम नेता थे, जिन्होंने भारतवासियों को बताया कि हिंदुस्तान के अखिल हिन्दुओं की राष्ट्र भाषा हिंदी है।

इस अवसर पर प्राणेश मिश्रा ने अपने हिंदी कविता 'कोशिश करने वालों की हार नहीं होती' से सबका मन मोह लिया। इसके अलावा दृष्टि, राजेश्वरी गौतम, रिमझिम, यशस्वी गुप्ता आदि ने गीत कविता कहानी के साथ हिन्दी के गौरव को स्वीकार किया। राहुल आर्य प्रशिक्षक आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश ने आह्वान किया कि आइये! हिन्दी को मन वचन कर्म से अपनाने और प्रचार करने का संकल्प लें।

हमारा संकल्प हिन्दी को राज भाषा से राष्ट्र भाषा बनाने का हो। हर देश के प्रत्येक नागरिक की भाषा बनाने का हो।

इस अवसर पर महिमा आर्य, नीलम मिश्रा शताक्षी अश्कृता मिश्रा, परी, मानवी, राधा देवी, अविरल गुप्ता, विश्वनाथ, धर्मेन्द्र कुमार, अरविन्द साहू, उपेन्द्र शर्मा,शालिनी मिश्रा, परी जायसवाल, कृष्णा गौतम, पुनीत राज, राम तनय सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

भूकम्प के बाद असम में दहशत

गुवाहाटी (आभा)। असम में भूकंप के बाद लोगों की दहशत कम होने का नाम नहीं ले रही है। भूकंप प्रभावित क्षेत्र के लोगों ने अपने डर को सोशल मीडिया पर साझा किया है। गुवाहाटी में स्थानीय लोग घबराहट में अपने घरों से भाग निकले। एक्स पर लिखी पोस्ट में एक यूजर ने कहा कि भूकंप काफी भयावह था। मेरे पैर अभी तक कांप रहे हैं। एक अन्य लिखा कि ऐसा लग रहा था

कि छत ही हमारे सिर पर गिर पड़ेगी। बता दें कि असम के विभिन्न इलाकों में 5.9 मैग्नीट्यूट का भूकंप आया था।

देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में रविवार को 5.8 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। असम सरकार के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी तरह के जान–माल के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप रविवार शाम 4.41 बजे आया और इसका केंद्र उदलगुरी जिले में था।

भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैंच पर फूटा सपा नेताओं का गुस्साः बीसीसीआई का पुतला फूंका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को समाजवादी पार्टी नगर अध्यक्ष युनूस आलम और पिछड़ा वर्ग प्रदेश सचिव प्रशान्त यादव के नेतृत्व में दरिया खां के निकट बीसीसीआई का पुतला फूंका। मांग किया कि ऐसे समय में जबकि पहलगाम हमले का दर्द बना हुआ है और आपरेशन सिन्दूर जारी है भारत–पाकिस्तान के बीच दुबई में मैंच का कोई औचित्य नहीं है।

पुतला फूंकने के बाद सपा नेता युनूस आलम और प्रशान्त यादव ने कहा कि इस क्रिकेट मैंच से भाजपा के राष्ट्रवाद का सच सामने आ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को स्पष्ट करना चाहिये कि पाक के साथ खून और पानी के नारों का क्या हुआ। क्या सिर्फ रूपया कमाने के लिये भारत ने एक बार फिर आत्मसमर्पण कर दिया। यदि यह मैंच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के दबाव में हो रहा है तो समझ लीजिये कि देश की विदेश नीति भटक चुकी है और भाजपा के राष्ट्रवाद का नारा खोखला है।

सपा नेताओं ने कहा कि पुलवामा से पहलगाम और पठानकोट तक कई बार आतंकी हमला कर चुके पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैंच नहीं होना चाहिये। यह उन लोगों का अपमान है जिन्हें आतंकवादियों ने मौत के घाट उतार दिया। बीसीसीआई का पुतला फूंकने के दौरान मुख्य रूप से राम सिंह यादव, मो. रईस, दिनेश तिवारी, सलमान अहमद, रजनीश यादव, तौफीक अहमद, गिरीश चन्द्र, राहुल सोनकर, मो. हारिश, अनवर अहमद, सन्तोष वर्मा, समीर खान, रहमान सिद्दीकी, अनस अंसारी, इमरान, डायमण्ड, इरशाद अहमद के साथ ही सपा के अनेक नेता, कार्यकर्ता शामिल रहे।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मजबूती से उतरेगी आम आदमी पार्टी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को आम आदमी पार्टी द्वारा जिलाध्यक्ष डॉ. राम सुभाष वर्मा और कप्तानगंज विधानसभाध्यक्ष भगवानदीन भारती के संयोजन में विधानसभा क्षेत्र के तारा मैरेज हाल में हर घर सम्पर्क अभियान की कड़ी में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में हर घर सम्पर्क अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये पार्टी के नीति, कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और आगामी विधानसभा का चुनाव पूरी मजबूती से लड़ेगी। कार्यकर्ता अपने–अपने क्षेत्रों में तैयारियां तेज कर दें।

–कप्तानगंज विधानसभा में चलाया गया हर घर सम्पर्क अभियान

बैठक में जिलाध्यक्ष डॉ. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि जनपद के पांच विधानसभा क्षेत्रों में बूथ गठन तेजी से जारी है। कहा कि आम आदमी पार्टी जनहित के सवालों को लेकर निरन्तर संघर्ष जारी रखे हुये हैं। यूरिया संकट, बिजली मूल्यवृद्धि, निजीकरण आदि का मामला पूरी ताकत से उठाया गया। डा. वर्मा ने कहा कि संगठन की मजबूती से ही राजनीतिक, सामाजिक लक्ष्य हासिल होंगे। बैठक में बौद्ध प्रान्त के उपाध्यक्ष कुलदीप जायसवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के नीति, कार्यक्रम के बारे में उपस्थित लोगों को विस्तार से जानकारी दी। कहा कि दिल्ली की जनता आज अपने फैसले पर उदास है। भाजपा ने दिल्ली में सरकार तो बना लिया किन्तु आम आदमी हाशिये पर है। जिला प्रभारी आशीष कुमार गुप्ता और जिला सह प्रभारी पतिराम आजाद ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कहा कि आम आदमी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ेगी और जनहित के सवालों को लेकर संघर्ष जारी रहेगा। कप्तानगंज विधानसभाध्यक्ष भगवानदीन भारती ने बताया कि पार्टी द्वारा चलाये जा रहे हर घर सम्पर्क अभियान के तहत निरन्तर कार्यक्रम जारी है। जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है।

बैठक में मुख्य रूप से राम सजन सूर्यबंशी, मिथलेश भारती, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, वीरभद्र ओझा, शेषपाल चौधरी, मो. उमर, हरि प्रसाद, कृष्ण कुमार, डा. नरेन्द्र चौधरी, पवन कुमार, राजेन्द्र कुमार, सुधीर, शिवांशू चौधरी, अंकित वर्मा, सचिन कुमार, अनिल कुमार मौर्या, राजेन्द्र यादव, रमेश कुमार चौधरी, अमरजीत यादव, परशुराम यादव, जाहिद अली, दिलीप यादव, रामकरन रावत, उमेश शर्मा के साथ ही आम आदमी पार्टी के अनेक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कोरोना काल में वालंटियर, कोविड काल में सेवा प्रदान करने वाले स्वास्थ्य विभाग की भर्तियों में वरीयता के हकदार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने अपने आदेश में कहा है कि स्वास्थ्य विभाग में आउट सोर्सिंग में निकलने वाली भर्तियों में कोरोना काल में वालंटियर एवं कोविड काल में सेवा प्रदान करने वाले स्वास्थ्य विभाग की भर्तियों में वरीयता के हकदार होंगे। रंजना और 7 याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद में याचिका दायरकर कहा था कि कोराना काल में संकट के समय जिन लोगों ने स्वेच्छा से स्वास्थ्य विभाग में निःशुल्क सेवायें दी, उन्हें कोरोना योद्धा के रूप में स्वास्थ्य विभाग ने सम्मानित किया उन्हें स्वास्थ्य विभाग के संविदा की नियुक्तियों में वरीयता दी जाय।

याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता रविन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 226 के

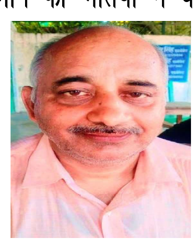

तहत दायर इस याचिका के माध्यम से याचिकाकर्ता जिन्होंने बस्ती जनपद के स्वास्थ्य विभाग में महामारी कोविड–19 के दौरान काम किया है, वे सरकारी आदेश दिनांक 27.05 2025 का लाभ मांग रहे हैं, ताकि स्वास्थ्य कर्मचारियों को आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से या अन्यथा रिक्त पदों के विरुद्ध, अनुबंध के आधार पर नियुक्त किए जाने की स्थिति में उन्हें फिर से नियोजित किया जा सके। यह तर्क दिया गया है कि हाल ही में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बस्ती द्वारा अनेक नियुक्तियाँ की गई हैं, लेकिन उन स्वास्थ्य कर्मियों, जिन्हें कोरोना योद्धा कहा जाता है और जिन्होंने कोविड–19 महामारी के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है, के दावों की अनदेखी की गई है।

अधिवक्ता रविन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद स्वास्थ्य विभाग में आउट सोर्सिंग में निकलने वाली भर्तियों में कोरोना काल में वालंटियर एवं कोविड काल में सेवा प्रदान करने वाले स्वास्थ्य विभाग की भर्तियों में वरीयता के हकदार होंगे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 सितम्बर 2025 सोमवार

सम्पादकीय

पारदर्शी मतदाता सूची के प्रश्न

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लेकिन एक मजबूत लोकतंत्र के लिये जरूरी है कि उसकी चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी और मतदाता सूची विश्वसनीय हो। पिछले दिनों बिहार में विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान चलाया गया। जिसको लेकर विपक्ष ने कड़ा प्रतिवाद किया और अदालत में चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती भी दी। बताते हैं कि अब भारतीय चुनाव आयोग देश भर में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण करने की योजना बना रहा है। हाल ही में बिहार में चल रही इस प्रक्रिया से उपजे राजनीतिक प्रतिवाद को देखते हुए यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। उल्लेखनीय यह भी है कि आसन्न चुनाव वाले राज्य बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया न्यायिक जांच के दायरे में हैं। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि यह सुनिश्चित करना चुनाव आयोग का दायित्व है कि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार के मौलिक हक से वंचित न रहे । उल्लेखनीय है कि बिहार में अंतिम मतदाता सूची इस महीने के अंत तक प्रकाशित होने वाली है। इसमें दो राय नहीं कि देश में पड़ोसी देशों के नागरिकों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ गाहे–बगाहे होती रही है। कुछ लोग बेहतर भविष्य की तलाश में गैर–कानूनी तरीके से भारत में घुस आते हैं। फिर कतिपय वोट बैंक के ठेकेदारों, दलालों व भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से जाली कागजात बनवाकर वोट डालने के अधिकारी बन जाते हैं। निस्संदेह, यह गैर–कानूनी है और इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगना ही चाहिए। ऐसे में दो राय नहीं हो सकती है कि मतदाता सूची में त्रुटियों और विसंगतियों को दूर करने करने के लिये तथा अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

निस्संदेह, राष्ट्रीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अपरिहार्य है। लेकिन इसके साथ ही यह प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और सरल होनी जरूरी है। जिसमें वास्तविक नागरिकों के हितों तथा चिंताओं को प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा दिक्कत राजनीतिक दलों के मुखर विरोध की भी है। खासकर विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर क्रियान्वयन तो और ज्यादा मुश्किल होगा। हाल के वर्षों में देखा गया है कि सीमावर्ती राज्यों में अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिये राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता विदेशी नागरिकों के जरूरी कागजात बनवाने में गुरेज नहीं करते। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त तीनों राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक प्रतिरोध स्वाभाविक ही है। हाल में तमिलनाडु के द्रुमक मंत्री दुरई मुरुगन तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं कि बिहार में इस्तेमाल की गई 'चालें' तमिलनाडु में काम नहीं आने वाली हैं, क्योंकि उनके राज्य में लोग राजनीतिक रूप से ज्यादा जागरूक हैं। उनके राज्य में लोगों को भ्रमित नहीं किया जा सकता। यह भी हकीकत है कि चुनाव आयोग को विश्वास की कमी को पाटने के लिये सभी हितधारकों को एक साथ लाने और इस धारणा को दृढ़ता से दूर करने की आवश्यकता होगी कि उसकी इस कार्रवाई से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर केंद्र के सत्तारूढ़ दल को लाभ नहीं पहुंचता है। निर्विवाद रूप से समान अवसर का अभाव चुनावी लोकतंत्र की पवित्रता और अखंडता को कमजोर कर सकता है। निस्संदेह, बिहार एसआईआर से मिले सबक चुनाव आयोग को अन्य राज्यों में इसी तरह की प्रक्रिया के लिये रोडमैप तैयार करते समय मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। यहां यह महत्वपूर्ण है कि सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने चुनाव आयोग को आत्मनिरीक्षण और बीच में ही अपनी दिशा बदलने के लिये प्रेरित किया है। यह काफी हद तक एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स जैसे याचिकाकर्ताओं के अथक प्रयासों के कारण ही संभव हो पाया है, जिसके सह–संस्थापक जगदीप छोकर का शुक्रवार को निधन हो गया। छोकर स्वच्छ व पारदर्शी चुनावों के प्रबल समर्थक रहे हैं। निस्संदेह, उनका यह अभियान चुनाव प्रक्रिया को दूषित करने के प्रयासों के विरुद्ध एक मजबूत दीवार की तरह काम करता रहेगा।

पानी नहीं, नीतियों से हारी जिन्दगी

–डॉ. सत्यवान सौरभ–

हरियाणा में 2025 की बाढ़ कोई अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदा नहीं थी। यह वही त्रासदी है, जिसकी पुनरावृत्ति राज्य 1978, 1988, 1995, 2010 और हाल ही में 2023 में झेल चुका है। आंकड़े चौंकाने वाले हैं। केवल पिछले दो वर्षों में 657 करोड़ रुपये बाढ़ प्रबंधन पर खर्च किए गए, फिर भी इक्कीस जिलों के सैकड़ों गांव पानी में डूबे रहे, साढ़े चार लाख से अधिक किसानों की छब्बीस लाख एकड़ से ज्यादा फसल बर्बाद हो गई, हजारों परिवार बेघर हो गए और तेरह लोगों की जान चली गई। हर बार यह सवाल उठता है कि आखिर सरकारें और तंत्र क्यों एक ही गलती बार–बार दोहराते हैं और पिछले अनुभवों से सबक क्यों नहीं लेते।

हरियाणा और उत्तर भारत के कई राज्य बार–बार बाढ़ की विभीषिका झेलते हैं, लेकिन हर बार नुकसान झेलने के बावजूद स्थायी समाधान की दिशा में ठोस पहल नजर नहीं आती। 2023 की बाढ़ के बाद भी करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद नदियों की सफाई, नालों की निकासी और जल प्रबंधन की योजनाएं अधूरी पड़ी रहीं। नतीजा यह कि 2025 में एक बार फिर लाखों किसान अपनी मेहनत की फसल डूबते देख मजबूर हुए। सवाल यह है कि जब बाढ़ का खतरा बार–बार दस्तक देता है तो हमारी नीतियां क्यों स्थायी हल नहीं तलाश पातीं?

बाढ़ कोई अचानक आई विपत्ति नहीं है, बल्कि एक अनुमानित और बार–बार आने वाला खतरा है। नदियों का उफान, बरसाती नालों का रुख बदलना और निकासी व्यवस्था का ध्वस्त होना ऐसी समस्याएं हैं, जो पहले से ज्ञात हैं और जिनका समाधान वर्षों से टलता आ रहा है। 2023 की बाढ़ के बाद सरकार ने बड़े दावे किए थे कि स्थायी समाधान के लिए ड्रेनेज सुधार, तटबंध मजबूत करने और नालों की गहराई बढ़ाने का काम प्राथमिकता पर होगा। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अधिकांश योजनाएं अधूरी रहीं और जो शुरू हुईं वे भ्रष्टाचार या लापरवाही की भेंट चढ़ गईं।

इस अव्यवस्था का सबसे गहरा असर किसानों पर पड़ा है। खरीफ सीजन की धान, बाजरा और गन्ने जैसी फसलें पूरी तरह चौपट हो गईं। औसतन एक किसान को प्रति एकड़ पंद्रह से बीस हजार रुपये का नुकसान हुआ। इसके साथ ही पशुधन की मौतें, घरों के ढहने और बुनियादी ढांचे के टूटने से हालात और बिगड़ गए। उद्योग जगत भी इससे अछूता नहीं रहा। अंबाला और यमुनानगर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में कारखानों और गोदामों में पानी भर गया, जिससे करोड़ों का नुकसान हुआ और हजारों मजदूर रोजगार से वंचित हो गए।

इस स्थिति के पीछे प्रशासनिक लापरवाही सबसे बड़ा कारण है। हरियाणा सरकार के पास न तो गांव–स्तरीय निकासी योजना है और न ही कोई स्थायी रणनीति। मानसून से पहले नालों की सफाई करने की बजाय दिखावटी काम किए जाते हैं। कई जगह ड्रेनेज सिस्टम सालों से जाम पड़े हैं। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद नदियों और नालों का प्रवाह जस का तस है। इसके अलावा सिंचाई विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग और स्थानीय निकायों के बीच तालमेल का अभाव स्थिति को और गंभीर बना देता है। हर विभाग अपने–अपने दायरे में काम करता है, लेकिन समन्वय के अभाव में कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आता।

जल प्रबंधन विशेषज्ञों का मानना है कि बाढ़ पर काबू पाने के लिए व्यापक और दीर्घकालिक रणनीति बनाना अनिवार्य है। डॉ. शिव सिंह राठ जैसे विशेषज्ञ स्पष्ट कहते हैं कि नदियों की नियमित ड्रेजिंग, बरसाती नालों का वैज्ञानिक पुनर्निर्माण और गांव स्तर तक जल निकासी प्रणाली का निर्माण ही स्थायी समाधान दे सकता है। पर्यावरणविदों का भी यही तर्क है कि नदियों के तटों पर अनियंत्रित अतिक्रमण और अवैध निर्माण बाढ़ की विभीषिका को और बढ़ा देते हैं। जब तक नदियों को उनका प्राकृतिक बहाव नहीं लौटाया जाएगा, तब तक यह त्रासदी बार–बार लौटकर आती रहेगी।

किसानों और आम लोगों की पीड़ा आंकड़ों से कहीं ज्यादा गहरी है। हजारों परिवार महीनों तक राहत शिविरों में रहने को मजबूर हो जाते हैं। बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है, महिलाओं और बुजुर्गों की सेहत बिगड़ती है और मजदूर वर्ग बेरोजगारी का शिकार हो जाता है। इस बार भी छह हजार से ज्यादा गांव पानी में डूबे और करीब अट्ठाईस सौ लोग विस्थापित हुए। कल्पना कीजिए, जब इतनी बड़ी संख्या में लोग अपने घर–बार से उजड़ते हैं, तो उनकी मानसिक और सामाजिक स्थिति किस हद तक डगमगा जाती होगी।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब 2010 और 2023 जैसी बड़ी बाढ़ें आ चुकी थीं, तो 2025 में वही गलती दोहराने का औचित्य क्या था। असल कारण साफ हैं। राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी ने इस मुद्दे को कभी चुनावी एजेंडा नहीं बनने दिया। सरकारों का दृष्टिकोण हमेशा अल्पकालिक रहा। हर साल राहत और पुनर्वास पर खर्च होता रहा, लेकिन स्थायी संरचनाओं पर निवेश नहीं हुआ। इसके साथ ही भ्रष्टाचार और संसाधनों की बर्बादी ने हालात और बदतर कर दिए।

अगर सचमुच स्थायी समाधान चाहिए तो राज्य को ठोस कदम उठाने होंगे। एक स्वतंत्र नदी प्रबंधन आयोग का गठन करना होगा, जो नदियों और नालों की सफाई, तटबंध निर्माण और निगरानी जैसे काम नियमित रूप से करे। हर पंचायत स्तर पर ड्रेनेज योजना तैयार की जानी चाहिए और उसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित होना चाहिए। तकनीक का इस्तेमाल करते हुए सैटेलाइट मैपिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित पूर्वानुमान और रीयल–टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम लागू करना होगा। स्थानीय लोगों की भागीदारी से नालों की सफाई और तटबंधों की देखरेख सुनिश्चित करनी होगी। और सबसे महत्वपूर्ण यह कि राहत पैकेज पर अरबों रुपये खर्च करने के बजाय स्थायी ढांचे और संरचनाओं पर निवेश किया जाना चाहिए। दरअसल बाढ़ केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, यह मानवीय लापरवाही और नीतिगत असफलता का परिणाम भी है। हरियाणा ने नौ बार बाढ़ झेली, लेकिन हर बार केवल आंकड़े गिनने और वादे करने तक ही बात सीमित रही। किसानों की पीड़ा, उद्योगों का नुकसान और विस्थापित परिवारों की त्रासदी हमें यह बताती है कि अब आधे–अधूरे उपायों से काम नहीं चलेगा। सरकार और समाज को मिलकर व्यापक, वैज्ञानिक और दीर्घकालिक बाढ़ प्रबंधन नीति अपनानी ही होगी, वरना 2027 या 2030 में फिर यही खबर पढ़नी पड़ेगी एक और बाढ़, एक और नुकसान और एक और अधूरा वादा।"

2030 तक दुनिया का हर पांचवां व्यक्ति बोलेगा हिंदी

–प्रो. संजय द्विवेदी–

हिंदी एक बहुआयामी भाषा है। यह बात इसके प्रयोग क्षेत्र के विस्तार को देखते हुए भी समझी जा सकती है। यह अलग बात है कि हिंदी भाषा की बात करते समय हम सामान्यतः हिंदी साहित्य की बात करने लगते हैं। इसमें संदेह नहीं कि साहित्यिक हिंदी, हिंदी के विभिन्न आयामों में से एक है, लेकिन यह केवल हिंदी के एक बड़े मानचित्र का छोटा–सा हिस्सा है, शेष आयामों पर कम विचार हुआ है और व्यावहारिक हिंदी की पृष्ठभूमि पर विचार करते हुए तो और भी कम विमर्श हमारे सामने हैं। यदि हिंदी भाषा के आंतरिक इतिहास का उद्घाटन करना हो तो नामकरण ही उसका आधार बन सकता है। हिंदी, हिंदवी, हिन्दुई और दकिनी के विकास क्रम में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि अलग–अलग समय में एक ही भाषा के भिन्न नाम प्रचलित रहे हैं। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। यह करीब 11वीं शताब्दी से ही राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित रही है। उस समय भले ही राजकीय कार्य संस्कृत, फारसी और अंग्रेजी में होते रहे हों, लेकिन संपूर्ण राष्ट्र में आपसी संपर्क, संवाद, संचार, विचार, विमर्श, जीवन और व्यवहार का माध्यम हिंदी ही रही है।

भारतेंदु हरिश्चन्द्र, स्वामी दयानन्द सरस्वती, महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने राष्ट्रभाषा हिंदी के माध्यम से ही संपूर्ण राष्ट्र से सम्पर्क किया और सफलता हासिल की। इसी कारण आजादी के पश्चात संविधान–सभा द्वारा बहुमत से 'हिंदी' को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय किया था। जैसे–जैसे भाषा का विस्तार क्षेत्र बढ़ता जाता है, वो भाषा उतने ही अलग–अलग रूप में विकसित होना शुरू हो जाती है, यही हिंदी भाषा के साथ हुआ, क्योंकि यह भाषा पहले केवल बोलचाल की भाषा तक ही सीमित थी। उसके बाद साहित्यिक भाषा के क्षेत्र में इसे जगह मिली, और फिर समाचार–पत्रों में 'हिंदी पत्रकारिता' का विकास हुआ। अपनी अनवरत यात्रा के कारण स्वतन्त्रता के बाद हिंदी, भारत की राजभाषा घोषित की गई तथा उसका प्रयोग कार्यालयों में होने लगा और हिंदी का एक राजभाषा का रूप विकसित हुआ।

अगर हम आंकड़ों में हिंदी की बात करें तो 260 से ज्यादा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। 64 करोड़ लोगों की हिंदी मातृभाषा है। 24 करोड़ लोगों की दूसरी और 42 करोड़ लोगों की तीसरी भाषा हिंदी है। इस धरती पर 1 अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं। 2030 तक दुनिया का हर पांचवा व्यक्ति हिंदी बोलेगा। यूएई और फिजी जैसे देशों में हिंदी को तीसरी राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी की देवनागरी लिपि वैज्ञानिक लिपि मानी जाती है, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में 18 हजार शब्द हिंदी के शामिल हुए हैं, और सबसे बड़ी बात कि जो तीन साल पहले अंग्रेजी इंटरनेट की सबसे बड़ी भाषा थी, अब हिंदी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। गूगल सर्वेक्षण बताता है कि इंटरनेट पर डिजिटल दुनिया में हिंदी सबसे बड़ी भाषा है।

अगर हम आंकड़ों में हिंदी की बात करें तो 260 से ज्यादा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। 64 करोड़ लोगों की हिंदी मातृभाषा है। 24 करोड़ लोगों की दूसरी और 42 करोड़ लोगों की तीसरी भाषा हिंदी है। इस धरती पर 1 अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं। 2030 तक दुनिया का हर पांचवा व्यक्ति हिंदी बोलेगा। यूएई और फिजी जैसे देशों में हिंदी को तीसरी राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी की देवनागरी लिपि वैज्ञानिक लिपि मानी जाती है, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में 18 हजार शब्द हिंदी के शामिल हुए हैं, और सबसे बड़ी बात कि जो तीन साल पहले अंग्रेजी इंटरनेट की सबसे बड़ी भाषा थी, अब हिंदी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। गूगल सर्वेक्षण बताता है कि इंटरनेट पर डिजिटल दुनिया में हिंदी सबसे बड़ी भाषा है।

अक्सर ये प्रश्न पूछा जाता है कि हिंदी ही हमारी राजभाषा क्यों? इसका जवाब बहुत पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दिया था। महात्मा गांधी ने किसी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिये जाने के लिए तीन लक्षण बताए थे। पहला कि वो भाषा आसान होनी चाहिए। दूसरा प्रयोग करने वालों के लिए वह भाषा सरल होनी चाहिए। और तीसरा उस भाषा को बोलने वालो की संख्या अधिक होनी चाहिए। अगर ये तीनों लक्षण किसी भाषा में थे, हैं और रहेंगे, तो वो सिर्फ हिंदी भाषा ही है। आज भाषा को लेकर संवेदनशील और गंभीरतापूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। इस सवाल पर भी सोचना चाहिए कि क्या अंग्रेजी का कद कम करके ही हिंदी का गौरव बढ़ाया जा सकता है? जो हिंदी कबीर, तुलसी, रैदास, नानक, जायसी और मीरा के भजनों से होती हुई प्रेमचंद, प्रसाद, पंत और निराला को बांधती हुई, भारतेंदु हरिश्चंद्र तक सरिता की भांति कलकल बहती रही, आज उसके मार्ग में अटकले क्यों हैं?

यदि हम सच में चाहते हैं कि हिंदी भाषा का प्रभुत्व राजभाषा के रूप में बना रहे, तो हमें इसके प्रचार–प्रसार को बढ़ावा देना होगा। सरकारी कामकाज में हिंदी को प्राथमिकता देनी होगी। ऐसे में भरोसा फिर उन्हीं नौजवानों का करना होगा, जो एक नए भारत के निर्माण के लिए तैयार हैं। जो अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहते हैं। भरोसे और आत्मविश्वास से दमकते ऐसे तमाम चेहरों का इंतजार भारत कर रहा है। ऐसे चेहरे, जो भारत की बात भारत की भाषाओं में करेंगे। जो अंग्रेजी में दक्ष होंगे, किंतु अपनी भाषाओं को लेकर गर्व से भरे होंगे। उनमें 'एचएमटी' यानी 'हिंदी मीडियम टाइप' या 'वर्नाकुलर पर्सन' कहे जाने पर हीनता पैदा नहीं होगी, बल्कि वे अपनी भाषा से और अपने काम से लोगों का और दुनिया का भरोसा जीतेंगे। हिंदी और भारतीय भाषाओं के इस समय में देश ऐसे युवाओं का इंतजार कर है, जो अपनी भारतीयता को उसकी भाषा, उसकी परंपरा, उसकी संस्कृति के साथ समग्रता में स्वीकार करेंगे। जिनके लिए परंपरा और संस्कृति एक बोझ नहीं, बल्कि गौरव का कारण होगी। यह नौजवानी आज कई क्षेत्रों में सक्रिय दिखती है। खासकर सूचना–प्रौद्योगिकी की दुनिया में। जिन्होंने इस भ्रम को तोड़ दिया, कि सूचना–प्रौद्योगिकी की दुनिया में बिना अंग्रेजी के गुजारा नहीं है। ये लोग ही हमें भरोसा जगा रहे हैं। ये भारत को भी जगा रहे हैं। आज भरोसा जगाते ऐसे कई दृश्य हैं, जिनके श्रीमुख और कलम से व्यक्त होती हिंदी देश की ताकत है। (लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बदली पहनावे की संस्कृति

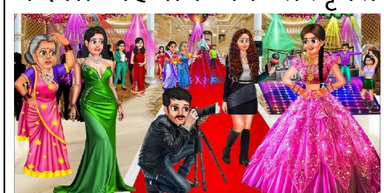

–क्षमा शर्मा–

अब जिधर नजर डालिए, दफ्तरों में, बसों में, सड़क पर, बाजार में, एयरपोर्ट पर, चैनल्स पर लड़कियों, स्त्रियों की प्राथमिक पसंद वे कपड़े नजर आते हैं, जिन्हें सामान्य भाषा में वैस्टर्न कहते हैं। कपड़े तो कपड़े, बाल बनाने के तौर–तरीके भी लगभग एक जैसे हैं। हाल ही में इटली के मशहूर फैशन डिजाइनर अरमानी का इक्यानवें वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह उम्र के इस पड़ाव पर भी बहुत काम करते थे। उनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने फैशन की दुनिया को बदल दिया। विश्व के मशहूर लोग जिनमें अभिनेता, अभिनेत्रियां, उद्योगपति आदि शामिल हैं, उनके लिए अरमानी के ब्रांड्स जरूरी माने जाते थे। अरमानी के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने पुरुषों के कपड़े बनाने में जिन कपड़ों का इस्तेमाल किया वे महिलाओं में पसंद किए जाते थे, और महिलाओं के लिए पुरुषों द्वारा पसंद किए जाने वाले कपड़ों का उपयोग किया।

उनका मशहूर उद्धरण है कि मैंने स्त्रियों को पुरुषों के कपड़े पहनना सिखा दिया। वे यह भी कहते थे कि उन्होंने पुरुषों के लिए ऐसे कपड़े तैयार किए, जिनसे उनकी छवि कुछ मासूम दिखे और स्त्रियों के लिए ऐसे कपड़े बनाए जिन्हें पहनकर वे कठोर दिखें। यानी कि उन्होंने सारी पारंपरिक छवियों को तोड़ दिया। स्त्रियों के लिए बनाए कपड़ों को वे पावर सूट कहते थे। कुल मिलाकर यह कि शक्तिशाली या एम पावर्ड वुमैन जिन्हें कहते हैं, वे खास कपड़े पहनकर ही हो सकती हैं। यह अपने उत्पाद को बेचने की एक रणनीति ही थी, जो बहुत सफल रही। आपने देखा होगा कि स्त्रियों की छवि तमाम धारावाहिकों, फिल्मों, टीवी कार्यक्रमों ने कपड़ों के आधार पर ही तय कर रखी है। इसमें वैस्टर्न पहनने और अंगरेजी बोलने वाली लड़की ताकतवर दिखाई जाती है, दूसरे कपड़े पहनने वाली कमजोर।

मशहूर लेखक मनोहरश्याम जोशी ने आज से तीस साल पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि अंग्रेज इतने लम्बे शासनकाल में चाहकर भी स्त्रियों की वेशभूषा में इतना परिवर्तन नहीं कर सके थे, जो भूमंडलीकरण ने कर दिया। धार जैसे छोटे कस्बे में दो लड़कियां मुझसे जींस पहनकर मिलने आई थीं। उनसे असहमत होने वाले कह सकते हैं कि आखिर जींस पहनने में क्या बुराई है। सचमुच कोई नहीं है। लेकिन यह भी सच है कि वस्त्रों से किसी स्त्री की ताकत को नहीं आंका जा सकता। अन्यथा अमेरिका या यूरोप में स्त्रियों के प्रति इतनी बड़ी संख्या में अपराध न होते। वहां की आबादी को देखते हुए इतने अपराध वाकई चकित करते हैं। वर्ना वे तो पश्चिमी देश ही हैं। वहां तो स्त्रियां अरसे से ऐसे कपड़े पहनती हैं, जिन्हें शक्ति का प्रतीक बताया जाता है।

दुनिया में हर सत्ता चाहे वह पैसे की हो, राजनीति की हो, धन की हो, छवि के खेल से चलती है। इन छवियों को बहुत चालाकी से बनाया जाता है और किसी न किसी विमर्श से जोड़ दिया जाता है। वैस्टर्न कपड़ों को भी स्त्री विमर्श के तमाम नारों से जोड़ दिया गया। और सिर्फ कपड़ों को ही क्यों, जितने भी उत्पाद हैं, वे कहीं न कही ये पाठ पढ़ाते रहते हैं कि इस उत्पाद के उपयोग से ही तुम ताकतवर और आजाद स्त्री कहला सकती हो। आपको एक कपड़े धोने की मशीन का वह विज्ञापन शायद याद हो, जिसमें कहा जाता था कि तुम आजाद स्त्री हो, इस मशीन का इस्तेमाल करके अपनी आजादी का जश्न मनाओ। कारों के भी ऐसे ही विज्ञापन आते रहे हैं। अनेक उत्पादों के भी।

दरअसल, पिछले पचास सालों का दौर, पूरी दुनिया में ऐसा रहा है जहां स्त्रियों की शिक्षा बढ़ी है। वे बड़ी संख्या में नौकरीपेशा बनी हैं। उनकी वेशभूषा एकदम बदल गई है। रहन–सहन बदल गया है। इस बदले हुए रहन–सहन, जीवनशैली ने स्त्रियों के सोच को भी खूब बदला है। एक समय में स्त्री के पढ़ने–लिखने को उसके वैवाहिक जीवन से जोड़ा जाता था।

पुराने मकान की छत गिरी, मलबे में चार लोग दबे, एक की मौत

संवाददाता–गोण्डा। शहर के राजेंद्र नगर आंशिक में रविवार की दोपहर बड़ा हादसा हो गया। राधा कुंड के पास स्थित एक पुराना दो मंजिला मकान गिराते समय अचानक भरभराकर गिर पड़ा। छत गिरने से घर में मौजूद चार मजदूर मलबे के नीचे दब गए। अचानक हुए इस हादसे से पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई और लोग चीख–पुकार करते हुए मौके पर दौड़ पड़े। एक मजदूर की मौत हो गई है। सूचना पाकर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। भीड़ ज्यादा होने के कारण बचाव कार्य में दिक्कत आई जिसके बाद पुलिस ने दूसरे गेट का ताला तोड़कर मकान में प्रवेश किया। स्थानीय लोगों की मदद से चारों को बाहर निकाला गया। मलबे में दबे लोगों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया है। हादसे की खबर लगते ही आयुक्त शशिभूषण लाल सुशील और पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल भी राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लेने मौके पर पहुंचे। उनके निर्देश पर पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम भी सक्रिय हो गई है। अधिकारियों ने मलबा हटवाकर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि कहीं और लोग दबे न हों। फिलहाल मृतक और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है। प्रशासन का कहना है कि पहचान होने के बाद परिजनों को सूचित किया जाएगा। आसपास के लोगों ने बताया कि मकान काफी पुराना और जर्जर हालत में था। बारिश के चलते दीवारें और छत कमजोर हो गई थीं, जिससे यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शी पप्पू ने बताया कि अचानक जोरदार धमाके की आवाज आई। हम लोग बाहर भागे तो देखा कि पूरा मकान मलबे में तब्दील हो चुका था। चारों तरफ धूल ही धूल छा गई। लोग चीख–पुकार मचाते हुए मदद के लिए दौड़े। वहीं, मोहल्ले की सरोज ने कहा कि छत गिरने के बाद बच्चे और महिलाएं बुरी तरह डर गए। पुलिस के पहुंचने पर ही लोगों को थोड़ी राहत मिली। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने एहतियातन आसपास के मकानों की जांच शुरू कर दी है और लोगों से अपील की है कि वे जर्जर मकानों में रहने से बचें।

पकड़ी गांव में चोरी की घटना निकली झूठी

संवाददाता–बलरामपुर। कोतवाली उतरौला क्षेत्र के ग्राम पकड़ी में रविवार को सामने आई कथित चोरी की घटना झूठी निकली है।

इंसान अली की 19 वर्षीय बेटी चांदनी बानो ने तीन अज्ञात चोरों द्वारा घर में घुसकर गहनों और नकदी की चोरी की झूठी कहानी गढ़ी थी। परिजनों का दावा था कि चोर चांदनी को बेहोश कर शादी के लिए खरीदे गए गहने और 10,000 रुपए नकद लेकर भाग गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। सीओ उतरौला के नेतृत्व में की गई जांच में कोई जबरन घुसपैठ या छीना–झपटी के निशान नहीं मिले।पुलिस ने जब घर की तलाशी ली तो चोरी बताए गए सभी गहने और नकदी अलमारी के पीछे से बरामद हो गए। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर किन कारणों से चोरी की झूठी कहानी गढ़ी गई।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि इस तरह की झूठी घटनाओं से कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ न करें। ऐसा करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में आगे की जांच जारी है।

देवनारायण बने पीआरडी समिति के जिलाध्यक्ष

संवाददाता–बहराइच। पीआरडी ब्लॉक कमांडरों की एक आवश्यक बैठक जिला मुख्यालय डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल के पास आयोजित की गई। बैठक में सर्व सम्मति से देवनारायण पांडेय को ब्लॉक कमांडर पीआरडी कल्याण समिति का जिलाध्यक्ष मनोनयन किया गया। उपाध्यक्ष के रूप में राकेश वर्मा ब्लॉक कमांडर जरवल, मंत्री के पद पर शौकत अली ब्लॉक कमांडर मिहीपुरवा, कोषाध्यक्ष के पद पर जवाहरलाल शर्मा ब्लॉक कमांडर पीआरडी चित्तौरा , संप्रेक्षक के पद पर राजकुमार यादव ब्लॉक कमांडर पयागपुर, सदस्य के रूप में रामानंद शर्मा ब्लॉक कमांडर कैसरगंज को नामित किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि समिति का रजिस्ट्रेशन शीघ्र कराया जाए।

घर से लड़की गायब, परिजनों ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

संवाददाता–श्रावस्ती। हरदत्त नगर गिरन्ट थाने के सामने बने घर से एक किशोरी के गायब होने का मामला सामने आया है। दरअसल जय जय राम की बेटी बीती रात करीब 9 बजे अचानक लापता हो गई।परिवार के मुताबिक, जय जय राम थाने के सामने परिवार के साथ रहते हैं और वहीं दुकान भी चलाते हैं।

बीती रात करीब 8 से 9 बजे के बीच उनकी दोनों बेटियां घर से बाहर सड़क की तरफ निकली थीं। छोटी बेटी घर के अंदर गई, जबकि बड़ी बेटी बाहर रह गई। जब छोटी बेटी दोबारा बाहर आई, तो बड़ी बेटी वहां पर नहीं थी।

परिजनों ने तुरंत आसपास तलाश की। बताया जा रहा की खाना खाने के लिए जब दूसरी बेटी उसे बुलाने गई तो वह नहीं मिली। इसके बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जबकि लड़की की तलाश भी की जा रही है स्थानीय लोगों का कहना है कि संभवत लड़की किसी बात से परिवार से नाराज होकर किसी नजदीक के रिश्तेदार के यहां चली गई हो। परिवार के लोग रिश्तेदारों के यहां और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश कर रहे हैं। पुलिस भी बारीकी से मामले की जांच में जुटी है।

भाजपा का सेवा पखवाड़ा 17 से: पीएम मोदी के जन्मदिन से गांधी जयंती तक चलेगा

संवाददाता–कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाएगी। रविवार को रविंद्र नगर भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। 17 सितंबर को रविंद्र नगर मेडिकल कॉलेज में जिला स्तरीय स्वास्थ्य और रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी स्वास्थ्य शिविर लगेंगे। बूथ स्तर पर स्वच्छता कार्यक्रम होंगे। 18 सितंबर को रविंद्र नगर सर्किट हाउस के सामने डीपीआरसी में जिला स्तरीय प्रदर्शनी लगेगी। 19 सितंबर को हनुमान इंटर कॉलेज पडरौना में प्रबुद्ध संवाद और पुस्तक वितरण कार्यक्रम होगा। 20 से 22 सितंबर तक मंडल स्तर पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। बैठक में जिला महामंत्री और सेवा पखवाड़ा जिला संयोजक सुदर्शन पाल, जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ल, डॉ विनोद भारती, जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, अतुल श्रीवास्तव और डॉ सीमा गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बालक की नदी में डूबने से मौत

संवाददाता–देवरिया। रुद्रपुर नगर पंचायत के टेढ़ा वार्ड में रहने वाले अमोल रतन के 11 वर्षीय पुत्र कुणाल की सेमरौना स्थित बथुआ नदी में डूबने से मौत हो गई। यह घटना रविवार शाम को हुई। कुणाल अपनी मां रीमा देवी के साथ जिउतिया त्योहार के अवसर पर नदी किनारे गया था। रीमा देवी जहां पूजा में व्यस्त थीं, वहीं कुणाल अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने चला गया। नहाते समय उसका पैर फिसल गया और वह पानी में डूब गया। स्थानीय लोगों ने शोर मचने पर कुणाल को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक शिवम तिवारी ने कुणाल को रुद्रपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विडंबना यह है कि रीमा देवी ने अपने बेटे की लंबी उम्र के लिए जिउतिया का व्रत रखा था। कुणाल दो भाई और दो बहनों में से एक था। उसकी मृत्यु से परिवार में मातम छा गया है। मां रीमा देवी का रो–रोकर बुरा हाल है।

धर्मांतरण का बनाया दबाव, नहीं माने तो फर्जी मुकदमे में फंसाने की तहरीर

संवाददाता–श्रावस्ती। धर्मांतरण करने का दबाव बनाया और जब ग्रामीण नहीं माने तो फर्जी मुकदमें में फंसाने की धमकी देते हुए थाने में तहरीर दे दी। इस पर ग्रामीणों ने भी संबंधित लोगों पर जबरन धर्मांतरण करने व लोगों को धर्मांतरण के लिए प्रेरित करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। श्रावस्ती जनपद में भी ईसाई मिशनरियों का जाल फैलता जा रहा है। जिसका ताजा मामला सिरसिया थाना क्षेत्र के पखरपुरवा गांव से सामने आया है। जहां दो महिलाएं व एक पुरुष लोगों को धर्मांतरण के लिए प्रेरित कर रहे हैं। लोगों के झांसे में न आने पर संबंधित लोग ग्रामीणों पर दबाव बना रहे थे। जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया तो शनिवार को फर्जी मुकदमें में फंसाने की धमकी देते हुए थाने में तहरीर दे दी। इस पर पुलिस दो ग्रामीणों को पकड़ कर थाने ले आई। ग्रामीण भी एकत्र होकर सिरसिया थाने पहुंच गए और तहरीर देकर चार लोगों पर जबरन धर्मांतरण करने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया। शिकायत करने पहुंचे ग्रामीण हरीराम, शिव कुमार, चेतराम, रामेश्वर प्रसाद, विजय कुमार, राम तेवारी, राधेश्याम आदि लोगों ने बताया कि वह सभी हिन्दू हैं और अपने देवी देवताओं की पूजा पाठ करते हैं। लेकिन गांव के चार लोग हिन्दू थे जो अब ईसाई धर्म की पूजा पाठ करते हैं। साथ ही ग्रामीणों पर भी ईसाई धर्म मानने के लिए दबाव बनाते हैं। जब हम लोगों ने ईसाई धर्म मानने से इनकार किया तो ग्राम प्रधान के सहयोग से विपक्षी ने फर्जी मुकदमे में फंसाने के लिए शिकायत किया है। मुकेश चन्द्र उत्तम, एएसपी ने कहा कि कोट मामला संज्ञान में आया था। सीओ को भेजकर जांच कराई गई है लेकिन धर्म परिवर्तन जैसे तथ्य नहीं मिले हैं। कुछ महिलाएं हैं जो हिन्दू धर्म के साथ ही दूसरे धर्म का भी पूजा पाठ करती हैं। जांच में उनके धर्म परिवर्तन की बात सामने नहीं आई है। मामले में नजर रखी जा रही है।

बुजुर्ग पर जंगली जानवर ने किया हमला

संवाददाता–बहराइच। जिले में जंगली जानवर का आतंक जारी है। रविवार दोपहर फखरपुर ब्लॉक के नंदवल इलाके में एक और हमला हुआ। जानवर ने घर में नल से पानी निकाल रही 70 वर्षीय चंद्रावती पर हमला कर दिया। जानवर महिला को घसीटकर ले जा रहा था। परिजनों और ग्रामीणों ने लाठी–डंडों से हमला कर महिला को बचाया। वो महिला को करीब 50 मीटर तक घसीट ले गया था। हमले में चंद्रावती के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत अस्पताल भेजा गया। हमले की सूचना पर पूर्व प्रधान सतगुरु मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों का दावा है कि हमला करने वाला जानवर तेंदुआ था । घायल महिला को इलाज के अस्पताल भेजा गया है । पिछले चार दिनों में जानवर के हमलों में दो लोगों की मौत हो चुकी है। चार अन्य लोग घायल हुए हैं। वन विभाग की सात टीमें उसे पकड़ने में जुटी हैं। प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि भोपाल और बंगाल से विशेष टीमें बुलाई गई हैं। ड्रोन और कैमरों से भी तेंदुए की तलाश की जा रही है। इलाके में दहशत का माहौल है। वन विभाग की कोशिशों के बावजूद अभी तक जानवर को पकड़ा नहीं जा सका है।

अब जिले में वायु गुणवत्ता की मिलेगी सटीक जानकारी

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले में वायु की गुणवत्ता परखने की व्यवस्था नहीं थी। बीते दिनों प्रदूषण बोर्ड की ओर से अस्थाई मशीन भेजकर जनपद के वायु गुणवत्ता को चेक किया। अब जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से वायु गुणवत्ता टेस्ट की मशीन जिले में लगवायी जा रही है। आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि प्रदूषण बोर्ड की ओर से पहले अस्थाई मशीन भेजकर जनपद की वायु गुणवत्ता को चेक किया गया। इसके बाद जरूरत प्रतीत होने पर डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद चौधरी व रिसर्च स्कॉलर की टीम ने जनपद का दौरा कर उपयुक्त स्थान की तलाश की। जिससे जनपद की वायु गुणवत्ता को मापा जा सके। प्रो. विनोद चौधरी के अनुसार सटीक मापन के लिए दो वायु गुणवत्ता मापी की आवश्यकता होती है। एक को शहर के मध्य स्थापित किया जाता है तथा दूसरी मशीन को शहर से 3 किमी दूर स्थापित किया जाता है। फिर दोनों मशीनों को 24 घंटे संचालित कर वायु गुणवत्ता निकाली जाती है।

गायब छात्र का गांव के पोखरे से मिला शव, परिवार में मातम

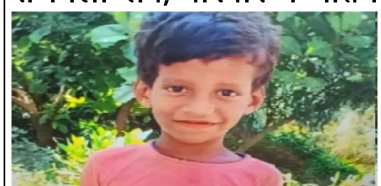

संवाददाता–देवरिया। लार थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक दृष्टिहीन पिता के 8 वर्षीय इकलौते बेटे कार्तिक का शव गांव के पोखरे में मिला है। कार्तिक शनिवार सुबह करीब 5 बजे से लापता था। परिजनों ने उसकी तलाश की। गांव के तालाब में भी खोजबीन की गई। इसके बाद लार पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रविवार को ग्रामीणों को गांव के पोखरे में कार्तिक का शव मिला। शव पर चोट के निशान मिले हैं। परिजनों का आरोप है कि किसी ने साजिश के तहत कार्तिक की हत्या कर शव को पोखरे में फेंक दिया। लार थाने के प्रभारी महेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। कार्तिक के पिता दृष्टिहीन हैं। उसकी मां चंदा देवी मजदूरी करके परिवार का भरण–पोषण करती हैं। बेटे की मौत से परिवार टूट गया है। गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों में आक्रोश और भय व्याप्त है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष के बेटे पर हमले को लेकर मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोण्डा। भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा के बेटे चंदन मिश्रा पर हुए हमले को लेकर घटना के 36 घंटे बाद देहात कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित चंदन मिश्रा की शिकायत पर पुलिस ने मुख्य आरोपी सुशील कुमार शुक्ला समेत 6 नामजद और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। मामले में कार्रवाई के लिए भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र ने पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल और आईजी देवीपाटन रेंज अमित पाठक से मुलाकात की थी।

चंदन मिश्रा ने बताया कि 12 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे वह अपने गांव नरायनपुर बली में विद्युतीकरण कार्य की देखरेख करने गए थे। मजदूरों को पैसे देने के लिए गाड़ी से उतरते ही करीब 20 लोगों के एक समूह ने उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि सुशील कुमार शुक्ला, अरुण कुमार शुक्ल, जितेंद्र कुमार पांडेय, दीपक कुमार पाण्डेय और अमित मिश्रा ने उन्हें पीछे से पकड़कर गिरा दिया। सुशील कुमार शुक्ला ने उनके हाथ से 8000 रुपए छीन लिए। आरोपियों ने उन्हें लात–घूंसों से मारा और कहा कि यह उनका गांव है।

जितेंद्र पांडेय ने कथित तौर पर गैर लाइसेंसी राइफल चंदन मिश्रा के मुंह में डाल दी। उन्होंने धमकी दी कि वह इस क्षेत्र से जिला पंचायत का चुनाव लड़ेंगे। तुम या जिला पंचायत अध्यक्ष या तुम्हारे परिवार में से कोई भी अगर इस तरफ दिखाई देगा तो उसे गोली मार देंगे। इसी बीच में बाकी के लोगों ने चंदन मिश्रा की गाड़ी की तलाशी ली और उसमें रखे सारे कागजात को फाड़ डाला और डिग्गी में रखे 50000 भी निकाल लिए।

सामूहिक रूप से इन सभी लोगों ने चंदन मिश्रा का अपहरण करने मंशा से अपनी फॉर्च्यूनर गाड़ी में लाद लिया और लेकर गांव से बाहर की ओर चल दिए साथ में एक अन्य गाड़ी भी थी। गाड़ी में वह लोग आपस में बातचीत कर रहे थे कोई जान नहीं पाएगा इसको घाघरा नदी में फेंक देते हैं। घाघरा का जलस्तर बढ़ा हुआ है यह कहीं बह जाएगा और किसी को पता भी नहीं चलेगा।

इस दौरान सुशील मिश्रा ने चंदन मिश्रा के मुंह में तौलिया से ढक दिया जिससे चंदन मिश्रा यह नहीं जान पाए कि वह किस तरफ लेकर करके जा रहे हैं। इसी दौरान रास्ते में ले जाते समय जैनी पकड़िया चौराहा के पास चंदन मिश्रा के चाचा राधेश्याम मिश्रा ने चंदन मिश्रा की गाड़ी को देखा और उसे गाड़ी का पीछा किया पीछा करता हुआ। देखा कि लोगों द्वारा आनन–फनन में चंदन मिश्रा को पटरी के किनारे गाड़ी से फेंककर गोंडा की तरफ यह लोग फरार हो गए। इन सभी लोगों द्वारा चंदन मिश्रा की गाड़ी को वहीं पर छोड़ दिया गया और चंदन मिश्रा किसी तरीके से अपनी जान बचाकर अपने चाचा के साथ घर पहुंचे।

वहीं जब पूरे मामले को लेकर के देहात कोतवाल संजय कुमार सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी सुशील कुमार शुक्ला समिति नामजद और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ 10 गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पूरे मामले में सभी बिंदुओं पर पुलिस द्वारा गहनता पूर्वक जांच की जा रही है जांच में जो भी निकाल कर आएगा उसके आधार पर पुलिस द्वारा आगे की कार्यवाही की जाएगी।

विश्व रक्षा हिंदू परिषद ने गोंडा सीएमओ का फूंका पुतला

संवाददाता–गोण्डा। सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। आज करनैलगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चौराहे पर, विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं ने डॉ. रश्मि वर्मा का पुतला दहन किया और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कार्यकर्ताओं ने डॉ. वर्मा को पद से हटाने की मांग करते हुए कहा कि बच्चों की मौत के एक मामले में उनका बयान षैर–जिम्मेदाराना और अमानवीयष था, जिससे आम लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।

प्रदर्शनकारियों ने इस घटना को बेहद शर्मनाक बताया और कहा कि ऐसे अधिकारी का अपने पद पर बने रहना जनता के साथ अन्याय है। उन्होंने मांग की कि सरकार को तुरंत डॉ. वर्मा को उनके पद से हटा देना चाहिए।

प्रदर्शन के दौरान, कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो वे पूरे जिले में एक बड़ा और उग्र आंदोलन शुरू करेंगे। विरोध प्रदर्शन के कारण अस्पताल चौराहे पर काफी देर तक अफरा–तफरी और जाम की स्थिति बनी रही।

मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने अपनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प दोहराया। घ्कार्यकर्ताओं ने साफ कर दिया कि जब तक डॉ. रश्मि वर्मा को उनके पद से हटाया नहीं जाता, तब तक उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। हालांकि डॉ. वर्मा ने अपने बयान के लिए माफी मांग ली है, लेकिन लोगों में उनके प्रति आक्रोश अभी भी कम नहीं हुआ है। घ्प्रशासन इस पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर बनाए हुए है।

भाजपा नेता के भतीजे की सड़क दुर्घटना में मौत

संवाददाता–देवरिया। सदर कोतवाली क्षेत्र में सोनू घाट चौराहे पर रविवार को एक दुर्घटना में भाजपा जिला महामंत्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी के भतीजे राहुल मणि त्रिपाठी की मौत हो गई। राहुल बाइक से जा रहे थे जब एक पिकअप वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। विक्रमपुर बांसपार, बैतालपुर निवासी राहुल मणि त्रिपाठी ई कार्ट कंपनी में कार्यरत थे। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। 30 वर्षीय राहुल अपने पीछे पत्नी प्रियंका मणि त्रिपाठी, चार वर्षीय बेटी सान्वी और मां उषा मणि को छोड़ गए हैं। सदर कोतवाली पुलिस ने पिकअप वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश कर रही है। घटना की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ जमा हो गई। जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद तिवारी, पूर्व विधायक डॉ सत्य प्रकाश मणि त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और नगर अध्यक्ष रमेश वर्मा सहित कई नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त की। सभी नेताओं ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है।

हिंदी दिवस पर कलाम फाउंडेशन का आयोजन: 60 शिक्षकों को सम्मान

संवाददाता–बहराइच। हिंदी दिवस के अवसर पर कलाम फाउंडेशन ने ठाकुर हुकुम सिंह स्वायत्त शासी किसान महाविद्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में हिंदी और संस्कृत विषय के 60 शिक्षक–शिक्षिकाओं को सम्मान–पत्र और प्रतीक चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम में जनपद के दस कॉलेजों के छात्र–छात्राओं के बीच सोशल मीडिया का शिक्षा पर प्रभाव विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता हुई। राजकीय इंटर कॉलेज के उपप्रचार्य नागेश कुमार मिश्र, भागवत शुक्ल, नागेंद्र अवस्थी और राजेंद्र प्रसाद निर्णायक मंडल में शामिल रहे। प्रतियोगिता में पं रामहर्ष मिश्र स्वामी विवेकानंद इंटर कालेज के विकास वर्मा और राजकीय इंटर कॉलेज के निशान मिश्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चंदन यादव और प्रज्ञा शुक्ला संयुक्त रूप से द्वितीय तथा असरा अहमद और रचना शुक्ला

संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। सभी विजेताओं को प्रतीक चिन्ह, प्रमाण पत्र और प्रोत्साहन राशि दी गई। कार्यक्रम में प्रबंध समिति सचिव मेजर डॉ एसपी सिंह मुख्य अतिथि रहे। वित्त एवं लेखा अधिकारी वीरेश पटेल, समाजसेवी पं योगेन्द्र मणि त्रिपाठी, ललित दीक्षित और पं संजीव शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कलाम फाउंडेशन के संस्थापक अमर सिंह विसेन, प्रदेश अध्यक्ष दिव्या पोरवाल, उपाध्यक्ष आकाश सिंह, जिलाध्यक्ष राम अचल मांझी और बृजेश मिश्र ने अतिथियों का माल्यार्पण और बुके से स्वागत किया।

दवा व्यापारियों की समस्याएं और समाधान को लेकर बैठक

संवाददाता–बलरामपुर। केमिस्ट एसोसिएशन की बैठक में दवा व्यापार से जुड़ी प्रमुख समस्याओं पर विचार–विमर्श किया गया। बैठक में दवाओं की एक्सपायरी, ब्रेकेज और लाइसेंस नवीनीकरण जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष शमशुल हुदा खान ने व्यापारियों को नियमों का पालन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि संगठन व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों से संवाद करेगा।

महामंत्री कुमार दीप मिश्रा ने एक्सपायरी और ब्रेकेज की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने का तरीका बताया। उन्होंने लाइसेंस नवीनीकरण की प्रक्रिया और नकली दवाओं की पहचान के बारे में भी जानकारी दी।

कोषाध्यक्ष राम प्रीत गुप्ता ने थोक व्यापारियों की समस्याओं पर प्रकाश डाला। संगठन मंत्री अमित मेकरानी ने संगठन की उपलब्धियों की जानकारी साझा की। बैठक में कोर सदस्य इमरान, ओमप्रकाश, मीडिया प्रभारी जमाल अहमद और सोशल मीडिया प्रभारी शाहिद हसन सहित कई सदस्य मौजूद थे। बैठक में व्छक्ै पोर्टल, ऑनलाइन दवा बिक्री और दुकानों के साइन बोर्ड पर डिस्काउंट से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

सामान्य हो रहे हालात, सीमापार शुरू हुआ आवागमन

संवाददाता–बलरामपुर। नेपाल में हुई हिंसक घटना के बाद सुधर रहे हालात, सामान्य हो रही स्थिति, लोगों ने ली राहत की सांस नेपाल में बवाल आवागमन शुरू होने से व्यापार में भी होगा सुधार, सुधरेगी सीमावर्ती क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था नेपाली कैदियों के घुसपैठ की आशंका को लेकर सीमा पर चलाया जा रहा सर्च ऑपरेशन बलरामपुर। अविनाश त्रिपाठी पड़ोसी राष्ट नेपाल में हिंसक घटनाओं पर विराम लग गया है। वहां नया नेतृत्व भी मिल गया है। जिसके बाद भारत–नेपाल सीमावर्ती क्षेत्रों के हालात भी लगातार सुधर रहे हैं। हॉलाकि नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र के जिलों में इस हिंसक प्रदर्शन के बाद अभी भी जिंदगी पटरी पर नहीं लौटी है। लोग तमाम दुश्वारियों से जूझ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय क्षेत्र में नेपाल से फरार हुए कैदियों के घुसपैठ को लेकर सीमा पर लगातार चौकसी बरती जा रही है। एसएसबी, पुलिस और पीएसी के जवान सीमा से लगे दुर्गम रास्तों पर पेट्रोलिंग कर रहे हैं। दोनों देशों से आने जाने वाले लोगों की सघन तलाशी ली जा रही है। कड़ी पूछताछ के बाद ही अब भी लोगों को आने–जाने दिया जा रहा है। पिछले चार–पांच दिनों से नेपाल में भड़की हिंसा के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में भी भारी तनाव हो गया था। नेपाल सीमावर्ती जिलों की स्थिति बेहद खराब हो गई है। स्थिति धीरे–धीरे सामान्य हो रही है। दोनों देशों के बीच आवागमन शुरू हुआ है। शनिवार सुबह दस बजे भंसार भी खोल दिया गया। जिसके बाद दोनों देशों में वाहनों की आवाजाही शुरू हुई, जिससे लोगों ने काफी राहत की सांस ली है। क्योंकि इन वाहनों के जरिये न सिर्फ एक दूसरे देशों में फंसे लोगों का आवागमन सुगम हुआ, बल्कि दोनों देशों के बीच आयात निर्यात होने वाली वस्तुएं भी पहुंचने लगी हैं।

निर्माणाधीन मकान की छत पर हाईटेंशन तार की चपेट में आई छात्रा ने मां के सामने तोड़ा दम

संवाददाता—गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के मोगलहा में रविवार की दोपहर 12वीं की छात्रा अपने निर्माणाधीन मकान की छत पर हाईटेंशन की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गई। मां के सामने बेटी की करंट की चपेट में आने से तड़प—तड़पकर कर मौत हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंची ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के राजी सेमरा नंबर दो निवासिनी शशिबाला मौर्या पत्नी स्व विजय मौर्या सरकारी विद्यालय में अध्यापिका हैं। शशिबाला क्षेत्र के मोगलहा स्थित जेमिनी पैराडाइज अपार्टमेंट के सामने एक मकान खरीदकर प्लास्टर का काम करवा रही थीं। रविवार की दोपहर 18 वर्षीय बेटी साक्षी उर्फ प्रज्ञा के साथ मकान का काम देखने गई थीं। बताया जा रहा है कि मकान की दूसरी मंजिल के चार फीट ऊपर से हाईटेंशन का तार गया है। साक्षी छत के ऊपर काम देखने गई थी और हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गई। इससे वह बुरी तरह झुलस गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। साक्षी मोगलहा स्थित सेंट पॉल स्कूल में कक्षा 12वीं की छात्रा थी। पति के बाद अब बेटी की भी मौत हो जाने से शशिबाला रो—रोकर बेहाल हैं। वह बार—बार बेहोश हो जा रही हैं। प्रभारी निरीक्षक गुलरिहा विजय प्रताप सिंह ने कहा कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

शशिबाला मौर्य ने बताया कि मोगलहा में एक नया घर बन रहा है। रविवार को सबकी छुट्टी थी। इसलिए बच्चों के साथ निर्माण का काम देखने गई थी। दोनों बच्चे बहुत खुश थे। घर जाकर मैं ग्राउंड फ्लोर पर काम देख रही थी। तभी साक्षी छत देखने चली गई। दूसरी मंजिल की छत से वह नीचे झांक रही थी। घर के सामने से गए बिजली के खुले तार के टच में आकर वह तड़पने लगी। साक्षी को तड़पते देख सड़क से जा रहे लोग चिल्लाने लगे। शोर सुनकर मैं भी छत की तरफ दौड़कर गई। आसपास के लोगों ने प्लास्टिक के पाइप से मारकर साक्षी को बिजली के तार से अलग किया।

लेकिन, तब तक वह दम तोड़ चुकी थी। बेटी को शशिबाला ने काफी हिलाया, झकझोरा। जब उन्हें एहसास हुआ कि बेटी की मौत हो गई है, तो वह चीखने—चिल्लाने लगीं। बोली कि अब मैं बिल्कुल अकेली हो गई हूं। हाई टेंशन तार की चपेट में आने से युवती की मौत का मामला सामने आया है। मकान में निर्माण कराते समय उन लोगों को सूचना देनी चाहिए थी। परिवार को बिजली निगम की ओर से सहायता राशि दी जाएगी। लोकेंद्र बहादुर सिंह, अधीक्षण अभियंता, शहरी

छात्र को पेचकस से गोदकर मार डाला, दो दोस्त गिरफ्तार

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। खेसरहा थाना क्षेत्र में एक 17 वर्षीय छात्र की हत्या का मामला सुलझा लिया गया है। पुलिस ने मृतक के दो दोस्तों को गिरफ्तार किया है। मृतक आकाश गुप्ता बनुहिया बुजुर्ग का रहने वाला था और स्थानीय इंटर कॉलेज में 12वीं का छात्र था।

12 सितंबर को विशम्भर राय के बगीचे में आकाश का शव मिला था। शरीर पर गहरे चोटों के निशान थे और चेहरा खून से लथपथ था। पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। 13 सितंबर को पचमोहनी के शैलेश यादव को गिरफ्तार किया गया। अगले दिन सुहई कनपुरवा मोड़ से निखिल राय को भी पकड़ा गया। पूछताछ में पता चला कि तीनों दोस्त पहले मुंबई में साथ काम करते थे। आकाश ने शैलेश से 12 हजार रुपए उधार लिए थे। वह पैसे नहीं लौटा रहा था। इसके अलावा आकाश का निखिल की प्रेमिका से संपर्क था। इन दोनों कारणों से दोनों आरोपियों ने हत्या की योजना बनाई। वारदात के दिन दोनों आरोपी आकाश को बहाने से बुला कर ले गए। उसे नशीला पदार्थ दिया। फिर शैलेश की लाल मोटरसाइकिल पर बैठाकर बगीचे में ले गए। वहां प्लास और पेचकस से हमला कर उसकी हत्या कर दी। आरोपियों ने मृतक के गले से सोने की चेन और जेब से 12 हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियार और सोने की चेन बरामद कर ली है। मृतक का टूटा मोबाइल भी कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस मोबाइल का डेटा रिकवर करने की कोशिश कर रही है।

जीएसटी सुधार राहुल गांधी की सोच का नतीजा –सत्यनारायण पटेल

संवाददाता—गोरखपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सत्यनारायण पटेल ने कहा कि जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वर्ष 2017 में वस्तु एवं सेवा कर को गब्बर सिंह टैक्स कहा था, तो वह केवल एक राजनीतिक जुमला नहीं था बल्कि यह उस व्यापारी, दुकानदार, मजदूर और छोटे उद्यमी वर्ग की असली पीड़ा की अभिव्यक्ति थी, जो भाजपा की गलत और जल्दबाजी में लागू की गई टैक्स नीति का शिकार हो रहे थे। प्रभारी उत्तर प्रदेश सत्यनारायण पटेल रविवार को पूर्वी उत्तर प्रदेश के 12 जनपदों की समीक्षा करने गोरखपुर आए थे। शहिन्दुस्तानश से मुखातिब सत्यनारायण पटेल ने कहा कि बीते छह वर्षों तक जनता ने इस जटिल और अन्यायपूर्ण व्यवस्था को झेला, लेकिन अब जब जनमानस का रुझान राहुल गांधी की ओर साफ दिखने लगा है, तो मोदी सरकार उन्हीं बिंदुओं पर सुधार कर खुद ही अपनी पीठ थपथपा रही है, जिन पर कांग्रेस ने सबसे पहले सवाल उठाए थे।

पटेल ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस का शुरू से ही यह मानना रहा है कि यदि जीएसटी को सही तरीके से, पारदर्शिता और समन्वय के साथ लागू किया जाता, तो यह व्यवस्था देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक सशक्त सुधार और वरदान बन सकती थी। उन्होंने आगे कहा कि अब जनता सच्चाई समझ चुकी है और झूठे प्रचार के बजाय वास्तविक समाधान की ओर देख रही है। देश का मूड साफ है जनता बदलाव की ओर बढ़ रही है, और कांग्रेस पार्टी उस बदलाव की अग्रदूत बनेगी। इसके पूर्व गोरखपुर पहुंचने पर जिला अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी, महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद, कांग्रेस नेता डॉ सैय्यद जमाल अहमद, अनिल सोनकर समेत अन्य ने सत्यनारायण पटेल का अभिनंदन किया। बिहार में बदलाव का नेतृत्व करने को तैयार बिहार विधानसभा चुनाव से जुड़े सवाल के जवाब में सत्यनारायण पटेल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी वोट चोरी के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रही है और गठबंधन की राजनीति में सम्मानजनक हिस्सेदारी की मांग कर रही है। नए सामाजिक समीकरणों पर सीटों का चयन किया गया है। कांग्रेस अब कमजोर नहीं, रणनीतिक है, और बिहार में बदलाव का नेतृत्व करने को तैयार है। इस पर निर्णय आलाकमान के स्तर पर जल्द ले लिया जाएगा।

राज्य पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक राम पलट सिंह का स्वागत

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। रविवार को राज्य पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक राम पलट सिंह का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। क्षत्रिय सभा के जिलाध्यक्ष हवलदार सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जिलेभर से सैकड़ों लोग शामिल हुए। समारोह में राम पलट सिंह को फूलमालाओं और अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि राम पलट सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने जिले का मान बढ़ाया है। उनकी मेहनत और लगन नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होता है। राम पलट सिंह ने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है।

कार्यक्रम में संरक्षक लाल बिहारी सिंह, अध्यक्ष हवलदार सिंह, जिला संयोजक सूर्यभान सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने एकमत से कहा कि ऐसे शिक्षकों का सम्मान समाज और नई पीढ़ी को सही दिशा देता है। उपस्थित लोगों ने राम पलट सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व को आदर्श बताया। उनके मार्गदर्शन को अमूल्य बताया गया। कार्यक्रम में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच माहौल उत्साह और गौरव से भरा रहा।

पति की नशे की आदत से परेशान थी पत्नी, भाइयों संग मिलकर गला घोंट डाला, तीनों गिरफ्तार

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। पत्नी ने अपने दो भाइयों के साथ पति की रस्सी से गला कसकर हत्या करने के बाद शव को खेत में फेंक दिया। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार किया। आला कत्ल रस्सी पुलिस ने बरामद किया है। पियारेपुर गांव के पुंथर झील के समीप खेत में रविवार की सुबह ग्रामीणों ने युवक का शव देखा। इसकी सूचना टांडा पुलिस को दी। निरीक्षक दीपक सिंह रघुवंशी पुलिसकर्मियों संग मौके पर पहुंचे तथा ग्रामीणों से पूछताछ करके जानकारी जुटाई। बाद में शव रसूलपुर मुबारकपुर के अनीश अहमद है। घटना स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। मृतक कबाड़ बीनता था और नशा करने का आदी था। मृतक के भाई रईस अहमद ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया। बताया कि हम लोग पांच भाई बहन हैं। बंटवारा होने से पैतृक मकान में अलग—अलग रहते हैं। अनीस अहमद की शादी 15 वर्ष पूर्व प्यारेपुर के हिना फातिमा के साथ हुई थी। उसके चार बच्चे हैं। करीब 10 वर्षो से अनीस नशे का सेवन करने का आदी हो गया था। इसके कारण पत्नी से विवाद होता रहता था। वह जो कमाता था नशे में खर्च कर देता था। कभी—कभी दूसरों से रुपये लेकर नशे करता था। आसपास के लोगों का उस पर उधार हो था। उधारी का रुपये वापस नहीं करता था। उसकी पत्नी हिना से तकादा करने लगे। इससे कलह बढ़ गई और पत्नी को मारपीट देता था। ससुराल वालों से भी विवाद करता था। इस कारण हिना अपने बच्चों को लेकर आए दिन मायके चली जाती थी। करीब 20 दिन पहले भी अनीस की पत्नी चारों बच्चों को लेकर मायके रजानगर प्यारेपुर चली गई थी। अनीस ससुराल लेने गया, लेकिन पत्नी ने वापस भगा दिया। शनिवार की शाम हिना अपने पति अनीस को साथ लेकर गई। हिना फातिमा अपने भाई मो. शाहिद उर्फ मोनू, मो. आरिफ ने मिलकर रस्सी से गला कसकर हत्या की है। मृतक के भाई रईस की तहरीर पर पुलिस ने हत्या समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। मृतक अनीस की पत्नी ने अपने भाइयों के साथ गला कसकर हत्या कर शव खेत में फेंका था। तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर आला कत्ल रस्सी बरामद किया गया है।

आग से घर का सामान जलकर राख

संवाददाता—संतकबीरनगर। खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के सेमरियावां मंडल के ग्राम मिश्रौलिया में राम आसरे लोधी के घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग से घर का सामान जलकर राख हो गया और 3 पशुओं की मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही कसदर विधायक अंकुर राज तिवारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। विधायक ने परिवार को 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी। साथ ही प्रशासन को सरकारी मदद दिलाने के निर्देश दिए।

इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष राम सागर चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष गोविंद जायसवाल और शक्ति केंद्र संयोजक चंद्रशेखर प्रजापति मौजूद रहे। सीताराम चौधरी, राहुल पांडे और अर्जुन प्रधान समेत अन्य कार्यकर्ता भी वहां पहुंचे।

तहसीलदार आनंद ओझा और क्षेत्र के लेखपाल भी घटनास्थल पर पहुंचे। प्रशासन ने पीड़ित परिवार को सरकारी योजनाओं के तहत मदद का आश्वासन दिया है।

गुमशुदा लड़की को लेने गई पुलिस पर हमला

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। बांसी में एक अजीब घटना सामने आई है। संतकबीर नगर की धर्मसिंहवा थाना पुलिस और एक गुमशुदा लड़की के परिजन जब उसे लेने पहुंचे, तो स्थानीय लोगों ने उन्हें चोर समझ लिया। घटना शनिवार की रात 11:30 बजे की है। नगर पालिका कार्यालय के पास अकबर नगर में स्थानीय लोगों ने पुलिस की चारपहिया गाड़ी को रोक लिया। लोगों ने लाठी—डंडों से गाड़ी पर हमला कर दिया। गाड़ी में सवार महिला सिपाही और लड़की के परिजन लगातार स्थिति समझाने की कोशिश करते रहे। लेकिन भीड़ ने एक न सुनी और गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। दरअसल, धर्मसिंहवा थाने में एक लड़की की गुमशुदगी दर्ज थी। लड़की ने अपने परिजनों को फोन कर बताया कि वह बांसी में है। किराए के पैसे न होने के कारण वह घर नहीं लौट पा रही थी। इस पर लड़की का पिता, भाई और धर्मसिंहवा थाने की महिला सिपाही उसे लेने पहुंचे थे। महिला सिपाही ने तुरंत बांसी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। गाड़ी में बैठे लोगों की पहचान कराने के बाद मामला शांत हुआ। क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक द्विवेदी ने बताया कि अभी तक इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है। अगर कोई शिकायत मिलती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

उत्तर प्रदेश में बिजली बिल कम करने के लिए रिश्वत मांगने वाला जेई सस्पेंड, मीटर रीडर भी बर्खास्त

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। शनिवार को इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो तेजी से प्रसारित हुआ जिसमें विद्युत विभाग के अधिकारी व कर्मचारी एक उपभोक्ता से बिल की धनराशि कम करनध के लिए सुविधा शुल्क मांगने की बात की जा रही है।

प्रसारित वीडियो विद्युत उपकेंद्र उस्का बाजार पर कार्यरत अवर अभियंता जितेंद्र कुमार दूबे का बताया जा रहा है। हालांकि जागरण प्रसारित वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो में अवर अभियंता बिजली बिल कम कराने के तरीके बता रहे हैं। इसके बदले वह धन की मांग कर रहे हैं।

प्रसारित वीडियो में वह खाता के स्थान पर नकद धन देने के लिए कह रहे हैं। वीडियो में मीटर रीडर सुनील मिश्रा भी बिजली बिल समायोजन का उपाय बताते दिख रहे हैं। वीडियो प्रसारित होने के बाद बिजली विभाग के अधिकारी हरकत में आए और आरोपों को प्रथम दृष्टया सही मानते हुए विभाग ने अवर अभियंता जितेंद्र कुमार दूबे को निलंबित कर बढ़नी उपकेंद्र से संबद्ध कर दिया जबकि मीटर रीडर सुनील मिश्रा की सेवा समाप्त कर दिया।

इसकी पुष्टि विद्युत वितरण खण्ड, सिद्धार्थनगर के अधीक्षण अभियंता अजय कुमार ने भी किया है। अधीक्षण अभियंता द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि प्रसारित वीडियो से विभाग की छवि धूमिल

नीलगाय को बचाने में पोल से भिड़ी गीडा थाने की जीप, बाल–बाल बची पुलिसकर्मियों की जान

संवाददाता—गोरखपुर। गश्त पर निकली गीडा थाना पुलिस की सरकारी जीप शनिवार की देर रात सड़क हादसे का शिकार हो गई। नौसढ़ से लौटते वक्त अचानक सड़क पर नीलगाय के कूद जाने से चालक ने नियंत्रण खो दिया और जीप पास में लगे पोल से जा भिड़ी। हादसा इतना जोरदार था कि वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार पांडेय समेत सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित बच निकले। प्रभारी निरीक्षक शनिवार की रात गश्त पर निकले थे। रात करीब दो बजे बांसपार के रास्ते से थाने लौट रहे थे कि तभी एक नीलगाय अचानक जीप के सामने आ गई। चालक ने टक्कर से बचाने की कोशिश में गाड़ी मोड़ दी, लेकिन नियंत्रण खो बैठा और जीप सड़क किनारे लगे पोल से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि जीप का अगला हिस्सा पिचक गया। हालांकि, गाड़ी में बैठे पुलिसकर्मियों को मामूली चोट लगी। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा—तफरी मच गई थी। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडेय ने बताया कि नीलगाय को बचाने के चक्कर में गाड़ी पोल से टकरा गई। सभी लोग सुरक्षित हैं और किसी तरह की चोट नहीं आई।

स्कॉर्पियो और पिकअप से तस्करी कर रहे 5 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—संतकबीरनगर। पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के नेतृत्व में टीम ने कोनिया पुल के पास से 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने यह सफलता प्राप्त की है।

आरोपियों के पास से 151 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुमताज अहमद, लाखन लाल उर्फ लखन गोड़, निजामुद्दीन उर्फ सोम्मन, प्रदीप चौधरी और अभिषेक अग्रहरी शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे 6 लोगों का गिरोह हैं। इनका सरगना दुधारा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। आरोपी आंध्र प्रदेश के विजयनगरम से गांजा लेकर विशाखापट्टनम, उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ़ होते हुए रॉबर्ट्सगंज, बनारस, आजमगढ़ और अंबेडकर नगर तक पहुंचाते थे। सरगना आंध्र प्रदेश में अपने संपर्कों से गांजा मंगवाता था। फिर ये लोग ग्राहक ढूंढकर इसे बेचते थे। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने गिरफ्तारी एवं गंजे की बड़ी खेप बरामद करने वाले पुलिस टीम को 15000 नगद पुरस्कार की घोषणा किया है।

विधायक ने पेयजल, सड़क और बिजली की समस्याओं पर त्वरित समाधान के निर्देश

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बढ़नी ब्लॉक के झरुआ गांव में रविवार को विधायक विनय वर्मा ने षगांव की समस्या, गांव में समाधानष चौपाल में ग्रामीणों से मुलाकात की। ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क मरम्मत और बिजली व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं रखीं। विधायक ने मौके पर ही अधिकारियों को फोन कर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। विधायक ने सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और मुफ्त राशन योजनाओं से गांव का हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में सुधार के लिए काम हो रहे हैं।

विनय वर्मा ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता गांव के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है। उन्होंने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और विकास कार्यों में सहयोग की अपील की। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान वीरेंद्र जायसवाल, चन्द्रकेश भारती, रामदास मौर्य, प्रदीप कमलापुरी, अनिल मिश्र, रत्नेश सोनी, अशोक पासवान, संतोष पासवान, विजय पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

वन विभाग की छापेमारी, आरक्षित वन क्षेत्र की कीमती लकड़ी बरामद, आरा मशीन सील

संवाददाता—संतकबीरनगर। वन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खलीलाबाद के मोहदीनपुर स्थित प्रधान आरा मशीन पर छापेमारी की। इस दौरान टीम ने आरक्षित वन क्षेत्र से लाई गई कीमती लकड़ी बरामद की। यह कार्रवाई कैंपियरगंज की टीम सचल दल के राहुल सिंह और राजकुमार के नेतृत्व में की गई। टीम में रेंज वन प्रभारी गोरखपुर, उप क्षेत्रीय वन अधिकारी कैंपियरगंज, दीपक गुप्ता (वन दरोगा) और आकाश कनौजिया (वन रक्षक) शामिल रहे। छापेमारी के दौरान आरा मशीन के मालिक से बरामद लकड़ियों के ब्यौरे को लेकर कहासुनी भी हुई। वन विभाग से विनोद यादव, आशीष त्रिपाठी, प्रदीप कुमार साहू, शशि भूषण शर्मा (सभी वन दरोगा), सूरज कुमार अग्रहरि और कुमारी नेहा (वन रक्षक) भी कार्रवाई में मौजूद थे। वन विभाग को पहले से सूचना मिली थी कि भरवल पीपीगंज आरक्षित वन क्षेत्र से एक व्यक्ति सफेद रंग की गाड़ी में लकड़ी लोड कर खलीलाबाद के मोहदीनपुर स्थित प्रधान आरा मशीन पर ला रहा है। इस सूचना के आधार पर टीम ने शनिवार रात से ही निगरानी शुरू कर दी थी। रविवार को मौके पर पहुंची टीम ने छापा मारकर कीमती लकड़ी बरामद की और आरा मशीन को सील कर दिया।

जब आरा मशीन के मालिक से बरामद लकड़ियों का ब्यौरा मांगा गया तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद वन विभाग की टीम ने लकड़ियों को कब्जे में लेते हुए आरा मशीन को सील कर दिया।

50 दिन में 20 चोरी और 6 लूट, मजदूर के घर से चोरों ने उड़ाई सारी पूंजी

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जिले में अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। कोतवाली ढेबरुआ क्षेत्र के ग्राम पंचायत सिसवा उर्फ शिवभारी में रविवार तड़के तीन बजे चोरों ने मजदूर संदीप गौतम के घर को निशाना बनाया। चोर दरवाजा तोड़कर घर में घुसे। वे नगदी समेत जरूरी सामान लेकर फरार हो गए। संदीप मेहनत—मजदूरी कर अपने परिवार का पालन—पोषण करते हैं। उन्होंने वर्षों में पाई—पाई जोड़कर पूंजी बचाई थी। चोरी की इस घटना से पूरे गांव में आक्रोश है। जिले में पिछले 50 दिनों में 20 से अधिक चोरी और 6 से ज्यादा लूट की वारदातें हुई हैं। पुलिस कुछ ही मामलों का खुलासा कर पाई है। हर घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचती है। वह जांच का आश्वासन देती है, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकलता।

गांव वालों का कहना है कि लगातार हो रही चोरियों से उनका जीना मुश्किल हो गया है। लोग रात में सो नहीं पा रहे हैं। महिलाएं और बुजुर्ग हर आहट से डर जाते हैं। संदीप के घर हुई चोरी से लोगों की चिंता बढ़ गई है। यह घटना बताती है कि गरीब भी अपराधियों के निशाने पर हैं। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतनी तेजी से अपराध नहीं बढ़ते देखे। पहले चोरियां कम होती थीं और चोर पकड़े भी जाते थे।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com